दिल्ली एनसीआर में भूजल संचयन को बढ़ने लगे कदम

मनोज त्यागी ● नोएडा

पहले हो चुके इंडिया वाटर वीक का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। जल शक्ति मंत्रालय ने नमामि गंगे योजना के तहत गंगा में प्रदूषण फैला रहे चार स्थानों में से हरिद्वार के डाउन क्षेत्र और बक्सर से भागलपुर तक के क्षेत्र को प्रदूषण मुक्त कर दिया है। हालांकि अभी बनारस और बंगाल को दुरुस्त करने के लिए काम किया जा रहा है। जानकार बताते हैं कि 2024 तक इन दोनों जगहों पर भी गंगा को प्रदूषित करने वाले उपक्रमों को ठीक कर लिया जाएगा। पानी को लेकर बढ़ती जागरूकता का असर इससे भी देखा जा सकता है कि केंद्र सरकार ने तालाबों से पानी रिचार्ज हो इसके लिए अमृत सरोवर योजना शुरू की है। पहले चरण में इसके लिए देश में 50 हजार तालाबों को चिह्नित किया गया है। इनमें दिल्ली एनसीआर में करीब 40-50 फीसद तक काम पूरा हो चुका है। माना जा रहा है कि इन तालाबों से रिचार्ज होने वाला पानी पूरी तरह से स्वच्छ होगा और भूजल का प्रदूषण कम होगा।

हापुड़ के गांव नली हुसैनपुर में विकसित अमृत सरोवर ● जागरण आर्काइव

दिल्ली एनसीआर में अमृत सरोवर की स्थिति

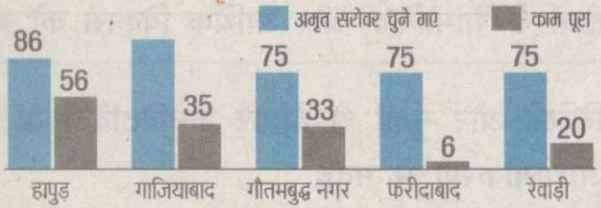

विशेषज्ञों का मानना है कि चर्चा और जागरूकता है आवश्यक

विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी कार्य को अंजाम तक पहुंचाने के लिए जागरूकता जरूरी है। इंडिया वाटर वीक में शामिल होने वाले लोग पानी बचाने और उसे प्रदूषण रहित रखने के लिए किए जा रहे उपायों पर चर्चा करते हैं और उसे दूसरे लोगों तक पहुंचाया जाता है। इसी तरह से जागरूकता को बढ़ाया जाता है।

दिल्ली की स्थिति

20 अमृत सरोवर चुने गए जिसमें 50% काम हुआ है

गुरुग्राम की स्थिति

75 अमृत सरोवर को चुने गए जिसमें 30% काम हुआ

पानी को शुद्ध रखना जरूरी

पानी जो जीवन देने वाला तरल है। प्रदूषित होने पर वह एक जीवन लेने वाला घातक तरल पदार्थ भी हो जाता है। दुनिया में लगभग 3.1 फीसद मौतें पानी की गंदगी और खराब गुणवत्ता के कारण होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में 80 फीसद बीमारिया जल द्वारा उत्पन्न होती है। चिंता वाली बात यह है कि भारत के 600 जिलों में से एक तिहाई जिलों में भूजल पीने के लिए अयोग्य है। इसमें फ्लोराइड, लोहा, खारापन और आर्सेनिक खतरनाक स्तर पर पाया जाता है। आंकड़े बताते हैं कि लगभग 65 मिलियन लोग फ्लोरोसिस से पीड़ित हैं। जो अतिरिक्त फ्लोराइड के कारण विकलांग बनाने वाली एक बीमारी है।

nwda.gov.in